



MADHAV INSTITUTE OF TECHNOLOGY & SCIENCE, GWALIOR (M.P.), INDIA

माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, ग्वालियर (म.प्र.), भारत

DEEMED UNIVERSITY

(Declared under Distinct Category by Ministry of Education, Government of India)

NAAC ACCREDITED WITH A++ GRADE

DEPARTMENT OF MECHANICAL ENGINEERING

MONSOON 2024 E-NEWSLETTER

दर्पणम्

Darpanam

آرسی

INSIDE

VISION AND MISSION	1
CHAIR'S LETTER	2
EVENTS & ACTIVITIES	3
FACULTY NEWS	13
STUDENTS NEWS	14
ALUMNI NEWS	16
STUDENT WRITINGS	19
PROGRAM OUTCOMES	22

**Dr. Surendra Kumar
Chourasiya**
Faculty Incharge

Harsh Bhardwaj
Student Editor

Khushi Kumari
Student Editor

Mansi Verma
Student Editor

Vision

"To develop innovative and creative Mechanical Engineers catering the global industrial requirements and social needs"

Mission

- To prepare effective and responsible graduate engineers for global requirements by providing quality education.
- To enhance knowledge through project and internship in the field of Mechanical and allied engineering.
- To guide students in acquiring career-oriented jobs in the field of Mechanical engineering.
- To provide academic environment of excellence, leadership, ethical values and lifelong learning to cater the need of society by sustainable solutions.

**“विद्या ददाति विनयं, विनयाद् याति पात्रताम् ।
पात्रत्वात् धनमाप्नोति, धनात् धर्मं ततः सुखम् ॥”**

CHAIR'S LETTER

I am happy to note that the Department of **Mechanical Engineering** is releasing its Newsletter for **Monsoon 2024 (July - September)** enumerating the various activities and achievements of our faculty and students. Department of Mechanical Engineering is one of the oldest departments established in 1957 at **MITS Gwalior**. The department endeavors to produce confident professionals tuned to real time working environment. The department offers excellent academic environment with a team of highly qualified faculty members to inspire the students to develop their technical skills and inculcate the spirit of team work in them. The department has been steadily growing into an impressive dimension, which strives to encourage excellence in academic and co-curricular activities. I congratulate the entire Mechanical Engineering department faculties, staff and students for their contribution to department activities and look forward for future developments. The department focuses on the holistic development of the students and to engage them in creativity, innovation, entrepreneurial/start up activities.



Dr. Chandra Shekhar Malvi
(Head of the Department)

I wish a good learning to all the students!
Warm Regards.

– **Dr. Chandra Shekhar Malvi**
Head of the Department
Mechanical Engineering
MITS Gwalior



MADHAV INSTITUTE OF TECHNOLOGY & SCIENCE, GWALIOR

(A Govt. Aided UGC Autonomous & NAAC Accredited Institute, Affiliated to R.G.P.V. Bhopal)

Vision & Mission of Department of Mechanical Engineering

VISION

“To develop innovative and creative Mechanical Engineers catering the global industrial requirements and social needs”

MISSION

- M1** To prepare effective and responsible graduate engineers for global requirements by providing quality education.
- M2** To enhance knowledge through project and internship in the field of Mechanical and allied engineering.
- M3** To guide students in acquiring career-oriented jobs in the field of Mechanical engineering.
- M4** To provide academic environment of excellence, leadership, ethical values and lifelong learning to cater the need of society by sustainable solutions.

EVENTS AND ACTIVITIES

National Space Day

A grand event on the occasion of National Space Day was organised in Madhav Institute of Technology and Science deemed University. 23 August has been declared by the Indian Government as the National Space day to celebrate the success of Chandrayan 3. A quiz was organised to increase awareness about India's achievements in the field of space.

नईदुनिया

ग्वालियर, शुक्रवार, 23 अगस्त, 2024

एमआईटीएस में अंतरिक्ष विज्ञान क्यूआर कोड स्कैन कर छात्र करा सकेंगे रजिस्ट्रेशन

अंतरिक्ष विज्ञान पुरा करने वाले छात्र-छात्राओं को मिलेगा ई-प्रमाण पत्र

एमआईटीएस डीम्ड विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य में संस्थान के कुलपति डा. अरुणेंद्र पांडे ने स्टूडेंट्स को बताया कि भारत सरकार ने 23 अगस्त को "राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस" के रूप में घोषित किया है, ताकि देश के प्रतिष्ठित चंद्रयान-3 मिशन की उपलक्ष्यीय सफलता का जश्न मनाया जा सके। इसी उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय ने "राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस" का आयोजन करने का निर्णय लिया है, जो भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों पर केंद्रित होगा। एमआईटीएस की डॉन डा. मंजरी



क्यूआर कोड के साथ QR कोडों को स्कैन करके रजिस्ट्रेशन।

पांडे ने किबज के माध्यम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह न केवल छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने का माध्यम बनेगा, बल्कि इसमें भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को किबज पुरा करने पर ई-प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में भारत के अंतरिक्ष अभियानों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें इस क्षेत्र में नए आयाम खोजने के लिए प्रेरित करना है। बैठक में कार्यक्रमों परियोजना सहायक प्रशांत मेहता, रमेश अग्रवाल सहित पूरा स्टाफ उपस्थित रहा।

Hon'ble Vice Chancellor Dr. Rajindra Kumar Pandit and Head of Mechanical Engineering department Dr. Chandra Shekhar Malvi were present during event. The event inspired the students and sparked curiosity in them to know more about the cosmos.

I would like to die on mars,
just not on impact.

- Elon Musk



एमआईटीएस में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

नगर संवाददाता ग्वालियर

माधव प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान (डीम्ड विश्वविद्यालय) में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस का भव्य आयोजन विश्वविद्यालय के कार्यकारी परिषद सदस्य प्रशांत मेहता, इंजी. रमेश अग्रवाल और कुलपति डॉ. आर. के. पांडे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विधि कुलपति डॉ. पांडे ने छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि भारत सरकार ने 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में घोषित किया है, ताकि देश के प्रतिष्ठित चंद्रयान-3 मिशन की उपलक्ष्यीय सफलता का जश्न मनाया जा सके। इसी उपलक्ष्य में विधि ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस का आयोजन करने का



निर्णय लिया है, जो भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों पर केंद्रित होगा। कार्यक्रम के डॉ. राजीव कंसल और डॉ. सी.एस. मालवी ने बताया कि यह समारोह एक सुनहरा अवसर है, जिसमें प्रतिभागियों को भारत के अद्वितीय और प्रेरणादायक अंतरिक्ष अभियानों के बारे में विस्तार से जानने का मौका मिलेगा। संस्थान के

जनसम्पर्क अधिकारी मुकेश मोदी ने बताया कि संस्थान के इस पहल की सभी उपस्थितों ने सराहना की और छात्रों में उत्साह का माहौल देखा गया। इस आयोजन ने न केवल छात्रों को भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों से जोड़ने का कार्य किया, बल्कि उनके भीतर नई ऊंचाइयों को छूने की प्रेरणा भी जगाई।

मध्यराज्य

पृष्ठ 32 अंक 43

भोपाल, शुक्रवार 23 अगस्त 2024

पृष्ठ 8 मूल्य 1.50

भोपाल शुक्रवार 23 अगस्त 2024 2

माधव प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान (डीम्ड विश्वविद्यालय) में 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2024' का भव्य आयोजन आयोजित

ग्वालियर।

ग्वालियर स्थित

माधव प्रौद्योगिकी और विज्ञान

संस्थान (डीम्ड विश्वविद्यालय) में

'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2024' का

भव्य आयोजन आयोजित

आयोजकों, डॉ. राजीव कंसल और डॉ.

कार्यक्रमों में योगदान देने के लिए

संस्थान (डीम्ड विश्वविद्यालय) में

कार्यकारी परिषद सदस्य श्री प्रशांत

मेहता, इंजी. रमेश अग्रवाल और

कुलपति डॉ. आर. के. पांडे द्वारा

किया गया। इस अवसर पर

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर.

के. पांडे ने छात्रों को संबोधित

करते हुए बताया कि भारत सरकार

ने 23 अगस्त को 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष

दिवस' के रूप में घोषित किया है,

ताकि देश के प्रतिष्ठित चंद्रयान-3

मिशन की उपलक्ष्यीय सफलता का

जश्न मनाया जा सके। इसी उपलक्ष्य

में विश्वविद्यालय ने 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष

दिवस' का आयोजन करने का निर्णय

लिया है, जो भारत की अंतरिक्ष

उपलब्धियों पर केंद्रित होगा।

विश्वविद्यालय की डॉन, डॉ. मंजरी

पांडे ने इस किबज के माध्यम पर

प्रकाश डालते हुए कहा कि यह न

केवल छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने का

माध्यम बनेगा, बल्कि इसमें भाग लेने

वाले सभी प्रतिभागियों को किबज पुरा

करने पर नए ई-प्रमाणपत्र भी प्रदान

किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य

छात्रों में भारत के अंतरिक्ष अभियानों

के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें

इस क्षेत्र में नए आयाम खोजने के लिए

प्रेरित करना है। कार्यक्रम के



समारोह एक सुनहरा अवसर है, जिसमें प्रतिभागियों को भारत के अद्वितीय और प्रेरणादायक अंतरिक्ष अभियानों के बारे में विस्तार से जानने का मौका मिलेगा। इस तरह के आयोजनों से छात्रों की अंतरिक्ष विज्ञान में रुचि और जागरूकता को और अधिक समृद्ध किया जा सकता है, जो भविष्य में भारत के अंतरिक्ष पहल की सभी उपस्थितों ने सराहना की और छात्रों में उत्साह का माहौल देखा गया। इस आयोजन ने न केवल छात्रों को भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों से जोड़ने का कार्य किया, बल्कि उनके भीतर नई ऊंचाइयों को छूने की प्रेरणा भी जगाई।

माधव प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान (डीम्ड विश्वविद्यालय) में 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2024' का भव्य आयोजन आयोजित

ग्वालियर। ग्वालियर स्थित माधव प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान (डीम्ड विश्वविद्यालय) में 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2024' का भव्य आयोजन विश्वविद्यालय के कार्यकारी परिषद सदस्य श्री प्रशांत मेहता, इंजी. रमेश अग्रवाल और कुलपति डॉ. आर. के. पंडित द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर. के. पंडित ने छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि भारत सरकार ने 23 अगस्त को 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के रूप में घोषित किया है, ताकि देश के प्रतिष्ठित चंद्रयान-3 मिशन की उल्लेखनीय सफलता का जश्न मनाया जा सके। इसी उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय ने 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' का आयोजन करने का निर्णय लिया है, जो भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों पर केंद्रित होगा।



पहल की सभी उपस्थितों ने सराहना की और छात्रों में उत्साह का माहौल देखा गया। इस आयोजन ने न केवल छात्रों को भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों से जोड़ने का कार्य किया, बल्कि उनके भीतर नई ऊंचाइयों को छूने की प्रेरणा भी जगाई। यह जानकारी संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मौर्य ने दी।

एमआईटीएस में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस का आयोजन हुआ

ग्वालियर। माधव प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान (डीम्ड विश्वविद्यालय) में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस का आयोजन विश्वविद्यालय के कार्यकारी परिषद सदस्य प्रशांत मेहता, इंजी. रमेश अग्रवाल और कुलपति डॉ. आर. के. पंडित द्वारा किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर. के. पंडित ने छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि भारत सरकार ने 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में घोषित किया है, ताकि देश के प्रतिष्ठित चंद्रयान-3 मिशन की उल्लेखनीय सफलता का जश्न मनाया जा सके। इसी उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस का आयोजन करने का निर्णय लिया है, जो भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों पर केंद्रित होगा। विश्वविद्यालय की डीन डॉ. मंजरी पंडित ने क्रिज के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह न केवल छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने का माध्यम बनेगा, बल्कि इसमें भाग



लेने वाले सभी प्रतिभागियों को क्रिज पूरा करने पर तुरंत ई-प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों में भारत के अंतरिक्ष अभियानों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें इस क्षेत्र में नए आयाम छूने के लिए प्रेरित करना है। आयोजक डॉ. राजीव कंसल और डॉ. सी.एस. मालवी ने बताया कि यह समारोह एक सुनहरा अवसर है, जिसमें प्रतिभागियों को भारत के अद्वितीय और प्रेरणादायक अंतरिक्ष अभियानों के बारे में विस्तार से जानने का मौका मिलेगा। इस तरह के आयोजनों से छात्रों की अंतरिक्ष विज्ञान में रुचि और जानकारी को और अधिक समृद्ध किया जा सकता है, जो भविष्य में भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों में योगदान देने के लिए उन्हें प्रेरित करेगा। संस्थान की इस पहल की सभी उपस्थितों ने सराहना की और छात्रों में उत्साह का माहौल देखा गया। इस आयोजन ने न केवल छात्रों को भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों से जोड़ने का कार्य किया, बल्कि उनके भीतर नई ऊंचाइयों को छूने की प्रेरणा भी जगाई। इस मौके पर संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मौर्य भी उपस्थित थे।

सत्ता सुधार

दैनिक अजय भारत

एमआईटीएस में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

एमआईटीएस डीम्ड विश्वविद्यालय में मनाया राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस



है, जो भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों पर केंद्रित होगा। विश्वविद्यालय की डीन डॉ. मंजरी पंडित ने इस क्विज के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह न केवल छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने का माध्यम

ग्वालियर। अजयभारत न्यूज ग्वालियर स्थित माधव प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान (डीम्ड विश्वविद्यालय) में 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2024' का भव्य आयोजन विश्वविद्यालय के कार्यकारी परिषद सदस्य प्रशांत मेहता, इंजी. रमेश अग्रवाल और कुलपति डॉ. आर. के. पंडित द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर. के. पंडित ने छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि भारत सरकार ने 23 अगस्त को 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के रूप में घोषित किया है, ताकि देश के प्रतिष्ठित चंद्रयान-3 मिशन की उल्लेखनीय सफलता का जश्न मनाया जा सके। इसी उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय ने 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' का आयोजन करने का निर्णय लिया है, जो भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों पर केंद्रित होगा। जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मौर्य ने बताया कि विश्वविद्यालय की डीन, डॉ. मंजरी पंडित ने इस क्रिज के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह न केवल



छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने का माध्यम बनेगा, बल्कि इसमें भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को क्रिज पूरा करने पर तुरंत ई-प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों में भारत के अंतरिक्ष अभियानों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें इस क्षेत्र में नए आयाम छूने के लिए प्रेरित करना है। विस्तार से जानने का मौका मिलेगा: कार्यक्रम के आयोजकों, डॉ. राजीव कंसल और डॉ. सी.एस. मालवी ने बताया कि यह समारोह एक सुनहरा अवसर है, जिसमें प्रतिभागियों को भारत के अद्वितीय और प्रेरणादायक अंतरिक्ष अभियानों के बारे में विस्तार से जानने का मौका मिलेगा। इस तरह के आयोजनों से छात्रों की अंतरिक्ष विज्ञान में रुचि और जानकारी को और अधिक समृद्ध किया जा सकता है, जो भविष्य में भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों में योगदान देने के लिए उन्हें प्रेरित करेगा।

EVENTS AND ACTIVITIES

Workshop: Experimental Learning

2nd Year students of Mechanical Engineering department were taught experimentally in the workshop by the Faculty members. This helped students learn about the machines in the workshop actually work and how are those processes carried out. Experimental learning helps students get better understanding of the machines.



Students learned about the utility of the machines and real world applications of them. Also they learned the machining processes which are used in industries which helps them in being a better engineer and stay relevant in the current scenario in the world.

Having only theoretical knowledge is not enough and having a little knowledge is dangerous than having no knowledge so its good for students to get the exposure of how things are actually done in real world which enhances their knowledge.

‘जो तूफ़ानों में पलते जा रहे हैं
वही दुनिया बदलते जा रहे हैं’
- जिगर मुरादाबादी



EVENTS AND ACTIVITIES



“what you seek is seeking you.”
- Mawlana Jalal-al-Din Rumi

EVENTS AND ACTIVITIES

एमआईटीएस में 25 से होगा तुलसी महोत्सव, देशभर के छात्र होंगे शामिल

ग्वालियर। माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान में 25 से 27 अक्टूबर तक रामचरितमानस की धरोहर को समर्पित तुलसी महोत्सव का आयोजन होगा। जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मौर्य ने बताया कि तुलसी महोत्सव गोस्वामी तुलसीदास और उनकी

अमर कृति रामचरितमानस की अमूल्य धरोहर को समर्पित है। संस्कृति एवं साहित्य को समर्पित ये महोत्सव विभिन्न प्रतियोगिताओं व गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को संस्कृति से जोड़ेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 25 अक्टूबर को महामंडलेश्वर

रामदास महाराज करेंगे। तीन दिवसीय आयोजन में देशभर के विभिन्न संस्थानों के छात्र सहभागिता करेंगे। पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि महोत्सव के प्रथम दिवस 121 तुलसी के पौधे रोपे जाएंगे, साथ ही विश्वविद्यालय में दीपोत्सव का आयोजन किया

जाएगा, जिसमें 2100 दीयों से परिसर जगमग होगा। महोत्सव के दौरान छात्रों के लिए कुल 11 राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनकी कुल पुरस्कार राशि 1 लाख रुपये निर्धारित की गई है। कार्यक्रम में देशभर के छात्र शामिल होंगे।

Media coverage

Tulsi Mahotsav

September 2024
College Campus
MITS-DU Gwalior

Annual function of Madhav Institute of Technology and Science deemed University Gwalior तुलसी महोत्सव is being organised by Hindi Samiti on 24, 25 and 26 October 2024. It is a three day grand event in which students of various institutes of India are coming to participate and attend the event. The college campus will be decorated by lighting 2100 lamps.



2100 दीयों से जगमगाएगा परिसर 121 तुलसी के पौधे होंगे रोपित

पत्रिका प्लस@ग्वालियर. माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान में 25 से 27 अक्टूबर तक संस्कृति और साहित्य को समर्पित तुलसी महोत्सव मनाया जाएगा। संस्थान के हिंदी समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह ने बताया महोत्सव में पहले दिन 121 तुलसी के पौधे रोपे जाएंगे साथ ही दीपोत्सव में 2100 दीयों को जलाया जाएगा। महोत्सव में छात्रों के लिए

11 राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिताएं की जाएंगी जिनकी कुल पुरस्कार राशि एक लाख है। साथ ही अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, भजन संध्या, बैंड परफॉर्मेंस, आर्ट गैलरी, रामायण आधारित प्रदर्शनी जैसी प्रतियोगिताएं की जाएंगी और गेट, यूपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए छात्रों को मार्गदर्शन दिया जाएगा।

रामचरितमानस की धरोहर को समर्पित तुलसी महोत्सव 25 से

ग्वालियर। माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान-सम विश्वविद्यालय, ग्वालियर. में 25 से 27 अक्टूबर को आयोजित होने जा रहा है। जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मौर्य ने बताया कि तुलसी महोत्सव जो कि गोस्वामी तुलसीदास जी और उनकी अमर कृति रामचरितमानस की अमूल्य धरोहर को समर्पित है। संस्कृति एवं साहित्य को समर्पित ये महोत्सव विभिन्न प्रतियोगिताओं व गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को संस्कृति से जोड़ेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 25 अक्टूबर को महामंडलेश्वर रामदास महाराज, महंत दंदरौआ धाम के कर-कमलों द्वारा किया जाएगा। इस तीन दिवसीय आयोजन में देशभर के विभिन्न संस्थानों के छात्र सहभागिता करेंगे। डब्ल्यू हिंदी समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि महोत्सव के प्रथम दिवस पर शुभारंभ के साथ 121 तुलसी के पौधे भी रोपे जाएंगे साथ ही विश्वविद्यालय में दीपोत्सव का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें 2100 दीयों से परिसर जगमग होगा। इस आयोजन में पद्मश्री सम्मानित डॉ. कपिल तिवारी एवं पूर्व आईएएस व लेखक मनोज श्रीवास्तव मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होंगे। साथ ही विद्यार्थियों को हमारे शास्त्रों के महत्व से परिचित कराने के लिए प्रसिद्ध भागवत प्रवक्ता आचार्य पुंडरीक गोस्वामी महाराज भी इस कार्यक्रम में पधारेंगे। 25 अक्टूबर को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। जिसमें प्रसिद्ध कवि व शायर अजहर इकबाल (दिल्ली), डॉ. करुणा सक्सेना (ग्वालियर), शिवांगी प्रेरणा शर्मा (भोपाल), धर्मवीर धरम (दिल्ली), प्रदीप तिवारी (अमेठी), अभिसार शुक्ल (लखनऊ), प्रतीक चौहान (भिण्ड) सहित अन्य कवि अपनी प्रस्तुति देंगे।

There will be competitions like Poetry, Singing, Writing and many more. Renowned Poet Azhar Iqbal is invited as the chief guest along with many other prominent personalities.

‘अब हवाएँ ही करेंगी रोशनी का फैसला जिस दिये में जान होगी वो दिया रह जाएगा’

- महशर बदायुनी

EVENTS AND ACTIVITIES

Electric Vehicles

need of the hour

All India Seminar

On September 29, 2024, at Seminar Hall 4, MITS-DU Gwalior, the Mechanical Engineering dept. and the Institution of Engineers (India) hosted an insightful seminar on Electric Vehicles. Keynote Speaker Dr. C.S. Malvi shed light on how we can improve electric vehicles to match the demand of today's era. Dr. Chhavi Saxena & Vivek Khandelwal were present during the event.

The Institution of Engineers (India)
(Established 1920, Incorporated by Royal Charter 1935)
Gwalior Local Center
(Estd. 2015)

ALL INDIA SEMINAR

In association with MITS, Gwalior on

Advancements in Electric Vehicles: Need of the hour
Under the Aegis of MCDB

Date: 29th and 30th September 2024

Keynote Speaker: Dr. (Prof.) C.S Malvi
(FIE, Prof. MC, MITS Gwalior)

Convener: Dr. Sulochana Wadhvani MIE, Hon, Sec. IEIGWLC

Venue: Gwalior Local Center Premises, Green Park, Behind New Collectorate, Engineers Road, Gulmohar City, Gwalior



‘मैं अकेला ही चला था जानिब-ए-मंज़िल मगर लोग साथ आते गए और कारवां बनता गया’

- मजरुह सुल्तानपुरी

दि इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स का सेमिनार
समय की जरूरत के साथ ही
इलेक्ट्रिक वाहनों में विकास भी

गवालियर@पत्रिका. दि में इलेक्ट्रिक वाहनों के भविष्य के बारे में बताया। मुख्य वक्ता प्रो. सीएस मालवी ने एडवांसमेंट के बारे में कहा कि बैटरी, ऊर्जा भंडारण, पैकेजिंग और चार्जर पर अनुसंधान के लिए अभी भी बहुत अधिक शोध प्रयास की आवश्यकता है, जबकि अन्य संबंधित प्रौद्योगिकियां जैसे वाहन टू एक्स, नए मोटर्स और एक्ज्युटर्स अब वाहन में सभी पारंपरिक मैकेनिकल और हाइड्रोलिक सिस्टम की जगह ले रहे हैं। इस मौके पर विवेक खंडेलवाल, डॉ. छवि सक्सेना आदि मौजूद थे।

गवालियर@पत्रिका. दि में इलेक्ट्रिक वाहनों के भविष्य के बारे में बताया। मुख्य वक्ता प्रो. सीएस मालवी ने एडवांसमेंट के बारे में कहा कि बैटरी, ऊर्जा भंडारण, पैकेजिंग और चार्जर पर अनुसंधान के लिए अभी भी बहुत अधिक शोध प्रयास की आवश्यकता है, जबकि अन्य संबंधित प्रौद्योगिकियां जैसे वाहन टू एक्स, नए मोटर्स और एक्ज्युटर्स अब वाहन में सभी पारंपरिक मैकेनिकल और हाइड्रोलिक सिस्टम की जगह ले रहे हैं। इस मौके पर विवेक खंडेलवाल, डॉ. छवि सक्सेना आदि मौजूद थे।

गवालियर@पत्रिका. दि में इलेक्ट्रिक वाहनों के भविष्य के बारे में बताया। मुख्य वक्ता प्रो. सीएस मालवी ने एडवांसमेंट के बारे में कहा कि बैटरी, ऊर्जा भंडारण, पैकेजिंग और चार्जर पर अनुसंधान के लिए अभी भी बहुत अधिक शोध प्रयास की आवश्यकता है, जबकि अन्य संबंधित प्रौद्योगिकियां जैसे वाहन टू एक्स, नए मोटर्स और एक्ज्युटर्स अब वाहन में सभी पारंपरिक मैकेनिकल और हाइड्रोलिक सिस्टम की जगह ले रहे हैं। इस मौके पर विवेक खंडेलवाल, डॉ. छवि सक्सेना आदि मौजूद थे।

The Institution of Engineers (India)
(Established 1920, incorporated by Royal Charter 1935)
Gwalior Local Centre
&
Department of Mechanical Engineering
MITS DU, Gwalior
Jointly Organizing

ALL INDIA SEMINAR
29-30 September 2024
On

Advancements in Electric Vehicles: Need of the hour
Under the Aegis of MCDB

Keynote Speaker: Dr. (Prof.) C.S MALVI
(FIE, PROF. MC, MITS Gwalior)

Coordinator: Mr. Vaibhav Shivhare
(Asth.Prof., MITS-DU Gwalior)
Send your Research papers
by 27 Sept. 2024
to
v.shivhare@mitsgwalior.in

Venue:
29 Sept. 2024- Gwalior local center, green park, engineers road, Gwalior
30 Sept. 2024- MITS DU campus, Gwalior

For queries: (9406758186)

Invites You All

EVENTS AND ACTIVITIES

Induction Day

2024-28 Batch

14 September 2024

Seminar Hall 4

MITS-DU Gwalior

On September 14, 2024, at Seminar Hall 4, Madhav Institute of Technology and Science deemed University Gwalior, Induction Day was organised for 1st Year Mechanical Engineering



students of 2024-28 batch. This is the first batch after the institute has been declared as deemed University by the government of India. Students were guided about the various subjects and their curriculum. All the faculty members of Mechanical Engineering department were present during the program.



‘तुम से पहले वो जो इक शरूख यहाँ तख़्त-नशीं था
उस को भी अपने खुदा होने पे इतना ही यकीं था’
- हबीब जालिब

EVENTS AND ACTIVITIES

Student interaction with **Shrimant Jyotiraditya Scindia**

5 October 2024
Colloquium
MITS-DU Gwalior

On October 5, 2024,
at Colloquium,
Madhav Institute of
Technology and Science
deemed University Gwalior,
Hon'ble Chancellor of
MITS-DU His Highness
Maharaja Shrimant
Jyotiraditya M. Scindia



was invited to interact with the first batch of students who enrolled after the Institute has been declared as deemed University.

‘बना कर फ़क़ीरों का हम भेस 'ग़ालिब'
तमाशा-ए-अहल-ए-करम देखते हैं’
- मिर्ज़ा ग़ालिब

EVENTS AND ACTIVITIES

Gyanamrit

26 September 2024
Seminar Hall 4
MITS-DU Gwalior

An event called **ज्ञानमृत** was organised by The Bhagwat Club in Madhav Institute of Technology and Science deemed University Gwalior. श्री प्रदीप भालचंद्र लघाटे was invited as the speaker. Dr. Chandra Shekhar Malvi was the Co-ordinator of the event.



The speaker made the students aware about the knowledge of Upanishads and why it is required for a joyful life. Students were taught about धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष and the cycle of birth-death and rebirth and how we can be free from this loop. This event was organised under National Education Policy based Novel Engaging Course Bhagwad Gita: An Introduction. Dr. Manoj Kumar Gaur, Dr. Jyoti Vimal, Nitya Mathur and more than 100 people were present during the event.

MADHAV INSTITUTE OF TECHNOLOGY AND SCIENCE, GWALIOR (M.P.)
DEEMED UNIVERSITY
NAAC ACCREDITED WITH A++ GRADE


The Bhagwat Club
PRESENTS

“ज्ञानामृत”

“आनंदमय जीवन की ओर उपनिषद् ज्ञान की यात्रा”

अनुसूची :
 तिथि : 26 सितम्बर ,2024
 समय : 04:00 PM से 06:00 PM
 स्थान : SH 4

माननीय अतिथि :



आदरणीय
श्री प्रदीप भालचंद्र लघाटे
(नागपुर, महाराष्ट्र)

FACULTY CO-ORDINATOR:
DR. CHANDRA SHEKHAR MALVI
(HMED)

FOR ANY QUERY CONTACT:
 Shivam Rajput +91 97702 84630
 Prashant Vyas +91 74408 08178

“नैनं छिद्रन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः ।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुत ॥”
द्वितीय अध्याय, श्लोक 23

EVENTS AND ACTIVITIES

संस्थापक स्व. श्री रघुवीर सिंह सिकरवार

माध्यम

वर्ष 32 अंक 79

भोपाल, बुधवार 28 सितम्बर 2024

पृष्ठ 8 मूल्य 1.50

भागवत गीता उद्देश्य और विज्ञान पर व्याख्यान

ग्यालियर। माधव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, ग्यालियर में 'श्री प्रदीप भालचंद्र लघाटे जी' ने 'द भागवत क्लब' द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'ज्ञानामर्त', जिसमें आनंदमय जीवन के लिए उपनिषद ज्ञान की आवश्यकता का विधार्थियों को उल्लेख कर, उपनिषद के अंतर्गत धर्म, अर्थ, काम, एवं मोक्ष का विस्तार पूर्वक वर्णन करते हुए छात्र एवं छात्राओं को समझाया की भारत की जीवन शैली में धर्म के बन्धनों को

(न्याय-नीति) स्वीकार करके, अर्थ और काम पुरुषार्थ के द्वारा दूसरों का मार्ग अवरुद्ध किये बगैर अपना जीवन शांति और प्रसन्नता के साथ कर्तव्यमार्ग पर चलते हुए बिताना तो है ही, साथ ही साथ जन्म-मरण के दुष्चक्र से मुक्त होकर पूर्ण स्वतंत्र जीवन की भी कल्पना मोक्ष नामक पुरुषार्थ में है, और इसी प्रकार श्री प्रदीप जी ने ये भी उल्लेखित किया कि कैसे हमारा जीवन केवल मृत्यु की प्रतीक्षा एवं नवीन जन्म के उल्लास में सीमित ना होकर के एक चक्र में बंधा हुआ है। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत नोबेल इंजीनियरिंग कोर्स में पढ़ाई जाने वाले भागवत गीता एक परिचय के अंतर्गत हुआ था। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. चंद्रशेखर मालवी विभाग अध्यक्ष मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट हैं। कार्यक्रम में डॉ. एमके गौड़ ऋषभ, स्वाति, नित्या माधुर, डॉ. ज्योति विमल के साथ लगभग 100 लोग उपस्थित थे। अंत में श्री प्रदीप जी ने ये भी विस्तार किया कि जीवन में केवल सुखी जीवन जीकर मृत्यु को पूर्णता का अनुभव नहीं हो पाता है उसे यह विज्ञाना तो रहती ही है, कि वास्तव में वह कौन है और उसके जन्म का क्या उद्देश्य है, इस सृष्टि का निर्माण कैसे और क्यों हुआ-मेरा इसके साथ क्या संबंध है- इन सबका जो निष्ठावक निष्ठावक जिसे ईश्वर कहते हैं, उससे मेरा क्या संबंध है? ऐसे ही मूलभूत प्रश्न मानव-धन में विज्ञाना के रूप में जन्म लेते हैं-कभी असंतोषजनक उत्तर मिलते हैं कभी न समझने वाले उत्तर मिलते हैं और कभी वो अनुत्तरित ही रह जाते हैं। इन सभी विज्ञानाओं का समाधान उपनिषदों में मिलते हैं। बहुधा उपनिषद प्रश्नोत्तर रूप में ही होते हैं। इसी के साथ बताया कि उपनिषद का अभ्यास करके ज्ञान प्राप्ति का मार्ग सुगम बनाना ये परम्परा है। योग्य मार्गदर्शन में यदि इनका अवकाश किया जाय तो ये जनसामान्य के लिये ही है और हमारे दैनंदिन जीवन से ही इनका संबंध है ऐसा जान सकेगा। प्रेस को यह जानकारी संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी प्रो.के.ए. मौर्य ने दी।



संस्थापक स्व. श्री रघुवीर सिंह सिकरवार

वर्ष 32 अंक 79 सितम्बर 2024 पृष्ठ 8 मूल्य 2 रूपय

सुधारा सत्ता सुधार

सत्ता सुधार

ग्यालियर 28 सितम्बर 2024 वर्ष 32 अंक 79 पृष्ठ 16 मूल्य 1.03

भागवत गीता उद्देश्य और विज्ञान पर हुए व्याख्यान

भागवत गीता उद्देश्य और विज्ञान पर हुए व्याख्यान

नगर चिंगारी | ग्यालियर

माधव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस में प्रदीप भालचंद्र लघाटे ने 'द भागवत क्लब' द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'ज्ञानामर्त', जिसमें आनंदमय जीवन के लिए उपनिषद ज्ञान की आवश्यकता का विधार्थियों को उल्लेख कर उपनिषद के अंतर्गत धर्म, अर्थ, काम, एवं मोक्ष का विस्तार पूर्वक वर्णन करते हुए छात्र एवं छात्राओं को समझाया की भारत की जीवन शैली में धर्म के बन्धनों को (न्याय-नीति) स्वीकार करके, अर्थ और काम पुरुषार्थ के द्वारा दूसरों का मार्ग अवरुद्ध किये बगैर अपना जीवन शांति और प्रसन्नता के साथ कर्तव्यमार्ग पर चलते हुए बिताना तो है ही, साथ ही साथ जन्म-मरण के दुष्चक्र से मुक्त होकर पूर्ण स्वतंत्र जीवन की भी कल्पना मोक्ष नामक पुरुषार्थ में है और इसी प्रकार प्रदीप ने ये भी उल्लेखित किया कि कैसे हमारा जीवन केवल मृत्यु



की प्रतीक्षा एवं नवीन जन्म के उल्लास में सीमित ना होकर के एक चक्र में बंधा हुआ है। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत नोबेल इंजीनियरिंग कोर्स में पढ़ाई जाने वाले भागवत गीता एक परिचय के अंतर्गत हुआ था। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. चंद्रशेखर मालवी विभाग अध्यक्ष मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट हैं। कार्यक्रम में डॉ. एमके गौड़ ऋषभ, स्वाति, नित्या माधुर, डॉ. ज्योति विमल के साथ लगभग 100 लोग उपस्थित थे।

सत्ता सुधार | ग्यालियर

माधव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस में प्रदीप भालचंद्र लघाटे ने 'द भागवत क्लब' द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'ज्ञानामर्त', जिसमें आनंदमय जीवन के लिए उपनिषद ज्ञान की आवश्यकता का विधार्थियों को उल्लेख कर उपनिषद के अंतर्गत धर्म, अर्थ, काम, एवं मोक्ष का विस्तार पूर्वक वर्णन करते हुए छात्र एवं छात्राओं को समझाया की भारत की जीवन शैली में धर्म के बन्धनों को (न्याय-नीति) स्वीकार करके, अर्थ और काम पुरुषार्थ के द्वारा दूसरों का मार्ग अवरुद्ध किये बगैर अपना जीवन शांति और प्रसन्नता के साथ कर्तव्यमार्ग पर चलते हुए बिताना तो है ही, साथ ही साथ जन्म-



मरण के दुष्चक्र से मुक्त होकर पूर्ण स्वतंत्र जीवन की भी कल्पना मोक्ष नामक पुरुषार्थ में है और इसी प्रकार प्रदीप ने ये भी उल्लेखित किया कि कैसे हमारा जीवन केवल मृत्यु की प्रतीक्षा एवं नवीन जन्म के उल्लास में सीमित ना होकर के एक चक्र में बंधा हुआ है। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत नोबेल इंजीनियरिंग कोर्स में पढ़ाई जाने वाले भागवत गीता एक परिचय के अंतर्गत हुआ था। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. चंद्रशेखर मालवी विभाग अध्यक्ष मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट हैं। कार्यक्रम में डॉ. एमके गौड़ ऋषभ, स्वाति, नित्या माधुर, डॉ. ज्योति विमल के साथ लगभग 100 लोग उपस्थित थे।

FACULTY NEWS

Volvo

Placement drive &

Gurudwara Visit

September 2024

Gurudwara

Gwalior Fort

Volvo company came for campus placement in Madhav Institute of Engineering and Technology (MITS) deemed University Gwalior, Madhya Pradesh and conducted interviews of mechanical Engineering students for the recruitment in the company. Faculty members of Mechanical Engineering Department along with members of Volvo visited the Data Bandi Chhod Sahib



Gurudwara located at Gwalior. This Gurudwara is associated with the imprisonment of Guru Har Gobind Sahib in Gwalior Fort and his celebrated release after long suffering in the fort.

*‘Chu kaar az hamha heelte Dar guzast,
Halal ast burdan ba shamsheer dast!!’
Guru Gobind Singh Ji (Zafarnamah)*

STUDENTS NEWS



Go Kart Making

Students of Mechanical Engineering dept. Madhav Institute of Technology and Science deemed University



and members of Team Scavengers made Go Kart in workshop. Faculty members of Mechanical Engineering department were also present to guide the students. Go Kart is an Electric Car typical used for racing. Go Kart consist of a battery, motor, wheels, seat and metal body. Its does not have a roof and doors like other cars. It is typically powered by a petrol engine between 8-30 hp and are designed lightweight and easy to handle. Go-karts with a higher cc rating mix more air with gasoline and operate at higher speeds

Team Scavengers is dedicated in making Go Karts and work in workshops to learn about Mechanical and Automobile Engineering Principles and get a good understanding of manufacturing. Students participate in various activities and racing competitions.

‘उसी जगह पर जहाँ कई रास्ते मिलेंगे
पलट के आए तो सबसे पहले तुझे मिलेंगे’

- Tehzeeb Hafiz



STUDENTS NEWS

Outreach Activities

Flour Mill Visit

9 अक्टूबर को मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों को "तिरुपति फ्लौर मशीन प्राइवेट लिमिटेड, बनमोर" की प्रतिष्ठित मैनुफैक्चरिंग इंडस्ट्री में औद्योगिक यात्रा के लिए ले जाया गया। यह यात्रा छात्रों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और ज्ञानवर्धक रही। इस दौरान उन्होंने उद्योग में उपयोग होने वाली विभिन्न प्रक्रियाओं और तकनीकों का न केवल अवलोकन किया, बल्कि उन्हें समझने का अवसर भी प्राप्त हुआ।

यात्रा के दौरान छात्रों ने प्लास्टिक रीसाइक्लिंग और मेटल कास्टिंग जैसी जटिल प्रक्रियाओं को देखा, जो उनके शैक्षणिक पाठ्यक्रम से गहराई से जुड़ी हुई हैं। इसके साथ ही, वहाँ cupola furnace भी देखा गया, जो धातुओं को गलाने और कास्टिंग के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इस फर्नेस की कार्यप्रणाली और उसमें धातुओं को गलाने की प्रक्रिया ने छात्रों को मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया।



मैकेनिकल विभाग के प्रमुख डॉ. चंद्र शेखर मालवी, प्रो. डॉ. सुरेंद्र कुमार चौरसिया, प्रो. डॉ. वैभव शिवहरे और प्रो. डॉ. नितिन उपाध्याय भी इस यात्रा के दौरान उपस्थित थे और उन्होंने छात्रों का मार्गदर्शन किया। इसके अलावा, छात्रों ने लेथ और शेपर जैसी अत्याधुनिक मशीनों का निरीक्षण किया, जो उनके विषय के सिद्धांतों के साथ सीधा संबंध रखती हैं। उन्होंने इन मशीनों के कोर मैकेनिज्म को गहराई से समझा और उनके संचालन का अनुभव प्राप्त किया।

इस यात्रा ने छात्रों को उनके शैक्षणिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव के बीच का अंतर समझने में मदद की, जिससे उनका तकनीकी कौशल और अधिक प्रबल हुआ। जो उनके भविष्य के करियर में अत्यंत सहायक सिद्ध होगी।

ALUMNI NEWS

Disruption

is new normal

25 September 2024

Colloquium

MITS-DU Gwalior

Madhav Institute of Technology and Science deemed University Gwalior Alumni Cell organised an industrial expert lecture in collaboration with Mechanical Engineering department and Training and Placement Cell. Mr. Navneet Singh Rajput General Manager - Sales and Marketing TATA Motors Ltd. Alumni 1998 batch was invited to guide the students and aware them about industry.

MADHAV INSTITUTE OF TECHNOLOGY AND SCIENCE, GWALIOR (M.P.)
DEEMED UNIVERSITY
NAAC ACCREDITED WITH A++ GRADE
MITS ALUMNI ASSOCIATION

ORGANISING AN INDUSTRIAL EXPERT LECTURE IN COLLABORATION WITH
MECHANICAL DEPARTMENT AND T&P CELL

PRESENTS ON
"Disruption is new normal"



Mr. Navneet Singh Rajput
B.E. Mechanical Engineering,
1998 passout batch
General Manager- Sales &
Marketing, TATA Motors Ltd.
*He is our esteemed alumni also
one of the talented minds of
MITS*

WHAT YOU'LL GET

- Interactive Session with an industry expert.
- In-depth knowledge of automobile industry with business management skills.
- Build up your alumni network



SCHEDULE :
📅 25TH SEPTEMBER, 2024
🕒 TIME: 12 P.M. ONWARDS
📍 COLLOQUIUM

Er. Ramesh Agarwal (President) **Er. Prabhat Bhargava (Patron)** **Er. Shailendra Mahor (Secretary)**

COORDINATORS
Dr. Gavendra Norkey Mr. Vikram Rajput
Mr. Sharad Agrawal Ms. Hemlata Arya

CONTACT US:
Samridhi - 7000955040
Shreyansh - 7987608402

‘हज़ार बर्क गिरे लाख आँधियाँ उठें
वो फूल खिल के रहेंगे जो खिलने वाले हैं’

- साहिर लुधियानवी

एम.ई.टी.एस.यूनिवर्सिटी में औद्योगिक विशेषज्ञ व्याख्यान हुआ संपन्न

द संघर्ष न्यूज ग्वालियर।

ग्वालियर। एम.ई.टी.एस. एलुमनी एसोसिएशन ग्वालियर द्वारा मेकेनिकल डिपार्टमेंट और टी एंड पी सेल के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में एक औद्योगिक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। टाटा मोटर्स लिमिटेड के सेल्स और मार्केटिंग के जनरल मैनेजर और 1998 बैच के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र, श्री नवनीत सिंह राजपूत ने डिस्टरप्शन इज न्यू नॉर्मल

विषय पर विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान की। संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मौर्य ने बताया कि कार्यक्रम में श्री राजपूत ने छात्रों को बताया कि कैसे तकनीकी प्रगति और बाजार की गतिशीलता पारंपरिक उद्योगों को चुनौती दे रही है और उन्हें नए तरीकों से व्यवस्थित कर रही है। उन्होंने तकनीकी अभिसरण और बाजार की गतिशीलता के मेल से होने वाली इन परिवर्तनों के बारे में विस्तार से समझाया और विभिन्न प्रकार की नवाचार-नेतृत्व वाली

विघटनकारी प्रक्रियाओं पर चर्चा की।

कार्यक्रम का शुभारंभ कैलाशवाशी श्रीमंत माधवराव सिंधिया महाराज जी के चित्र पर माल्यार्पण करके किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि इंजी. रमेश अग्रवाल (अध्यक्ष, स्टूडेंट्स एलुमनी एसोसिएशन), प्रो. पी.के. जैन (सेवानिवृत्त एचओडी) और एलुमनी सचिव शैलेन्द्र माहौर सहित कई गणमान्य अतिथियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर कर्नल एस.एस. बैस, विनोद ओझा और संजीव मगरैया जैसी विशिष्ट हस्तियाँ भी उपस्थित रहीं।

88274.882. न. 09. 0000. 2008/2024

वॉ 17 | 000-23 | ग्वालियर | 26 सितंबर 2024 | पृष्ठ 8 | मूल्य 2 रुपये

सुविचार
ईश्वरिण हरिण के
सम्मुख मननीय
हरिण बली नहीं है।

नगर चिंगारी



दैनिक
सत्ता सुधार

सुधार
अभियान के तहत
सुधार के लिए
सुधारकर्ता हैं।

एमआईटीएस में हुआ औद्योगिक विशेषज्ञ व्याख्यान

एमआईटीएस में हुआ औद्योगिक विशेषज्ञ व्याख्यान

नगर चिंगारी | ग्वालियर

एमआईटीएस एलुमनी एसोसिएशन द्वारा मेकेनिकल डिपार्टमेंट और टीएंडपी सेल के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में औद्योगिक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। टाटा मोटर्स लिमिटेड के सेल्स और मार्केटिंग के जनरल मैनेजर और 1998 बैच के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र नवनीत सिंह राजपूत ने डिस्टरप्शन इज न्यू नॉर्मल विषय पर विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान की। संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मौर्य ने बताया कि कार्यक्रम में श्री राजपूत ने छात्रों को बताया कि कैसे तकनीकी प्रगति और बाजार की गतिशीलता पारंपरिक उद्योगों को चुनौती दे रही है और उन्हें नए तरीकों से व्यवस्थित कर रही है। उन्होंने तकनीकी अभिसरण और बाजार की गतिशीलता के मेल से होने वाली इन परिवर्तनों के बारे में विस्तार से समझाया और विभिन्न प्रकार की नवाचार-नेतृत्व वाली विघटनकारी प्रक्रियाओं पर चर्चा की। कार्यक्रम का शुभारंभ कैलाशवाशी माधवराव सिंधिया महाराज के चित्र पर माल्यार्पण करके किया



गया, जिसमें मुख्य अतिथि इंजी. रमेश अग्रवाल अध्यक्ष एमआईटीएस एलुमनी एसोसिएशन, प्रो. पी.के. जैन सेवानिवृत्त एचओडी और एलुमनी सचिव शैलेन्द्र माहौर सहित कई गणमान्य अतिथियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर कर्नल एसएस बैस, विनोद ओझा और संजीव मगरैया भी उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम डॉ. चन्द्रशेखर मालवी, डॉ. गवेन्द्र नॉरके, शरद अग्रवाल और सुश्री हेमलता आर्य के मार्गदर्शन में किया गया।

ग्वालियर। एमआईटीएस एलुमनी एसोसिएशन द्वारा मेकेनिकल डिपार्टमेंट और टीएंडपी सेल के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में औद्योगिक विशेषज्ञ



व्याख्यान का आयोजन किया गया। टाटा मोटर्स लिमिटेड के सेल्स और मार्केटिंग के जनरल मैनेजर और 1998 बैच के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र नवनीत सिंह राजपूत ने डिस्टरप्शन इज न्यू नॉर्मल विषय पर विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान की। संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मौर्य ने बताया कि कार्यक्रम में श्री राजपूत ने छात्रों को बताया कि कैसे तकनीकी प्रगति और बाजार की गतिशीलता पारंपरिक उद्योगों को चुनौती दे रही है और उन्हें नए तरीकों से व्यवस्थित कर रही है। उन्होंने तकनीकी अभिसरण और बाजार की गतिशीलता के मेल से होने वाली इन परिवर्तनों के बारे में विस्तार से समझाया और विभिन्न प्रकार की नवाचार-नेतृत्व वाली विघटनकारी प्रक्रियाओं पर चर्चा की। कार्यक्रम का शुभारंभ कैलाशवाशी माधवराव सिंधिया महाराज के चित्र पर माल्यार्पण करके किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि इंजी. रमेश अग्रवाल अध्यक्ष एमआईटीएस एलुमनी एसोसिएशन, प्रो. पी.के. जैन सेवानिवृत्त एचओडी और एलुमनी सचिव शैलेन्द्र माहौर सहित कई गणमान्य अतिथियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर कर्नल एसएस बैस, विनोद ओझा और संजीव मगरैया भी उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम डॉ. चन्द्रशेखर मालवी, डॉ. गवेन्द्र नॉरके, शरद अग्रवाल और सुश्री हेमलता आर्य के मार्गदर्शन में किया गया।

ALUMNI NEWS

Eicher-Volvo

Placement Guidance

An online meet was organised for the students of Mechanical Engineering Dept. Madhav Institute of Technology and Science deemed University Gwalior. Students got the opportunity to connect with their seniors who are working Eicher and Volvo.



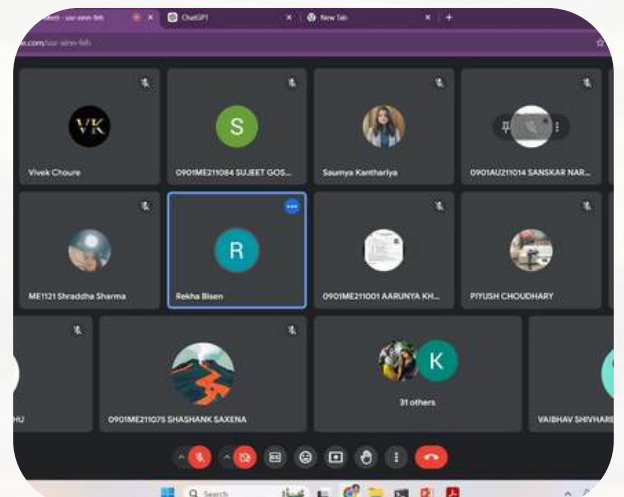
Seniors shared their experience about how they cracked the interview for these companies, helped their juniors in resume building, cleared their doubts about how to prepare for the interview by practicing common questions and mock interviews, research companies and know their culture and values, build networks and work on soft skills. Which will help them in the upcoming placement activity.



Crack Your Placements

Tips From Last Year Placed Seniors

- 1. RESUME BUILDING**
 - Tailor for each job
 - Highlight relevant skills
- 2. MOCK INTERVIEW**
 - Practice common questions
 - Focus On Technical Assessments
- 3. RESEARCH COMPANIES**
 - Understand their culture and values
 - Prepare for specific questions
- 4. NETWORKING**
 - Connect with alumni and professionals
 - Attend workshops and seminars
- 5. SOFT SKILLS**
 - Work on communication
 - Employers value candidates who can work well in teams



‘हम से पहले भी मुसाफिर कई गुज़रे होंगे
कम से कम राह के पथर तो हटाते जाते ’
- डॉ राहत इंदौरी

STUDENT WRITINGS

You change your life by doing not by thinking about doing

Stop thinking start doing

We've all been there. We've talked a mile about how we will write a book, start a business, or climb a mountain. We've done all the research, interviewed experts and non-experts, enrolled in courses, bought books, watched videos, attended webinars. In short, we've left no stone unturned on the research. Now we just need to get started on the "doing." But, for some reason, we keep putting that off...

Our proclivity to think instead of act can be sourced right back to our hunter-gatherer ancestors. Yes, just like our other ails—obesity, large feet, and our tendency to gossip, evolution has wired us to prioritise thought before action.

It's all about mitigating risks. We are wired to dodge danger. Instead of jumping into action, thinking is how we assess and avoid excessive risks. That risk-aversion is actually healthy. It is the reason we are alive today. Another reason is that it's easier to *think* about climbing a mountain, or dream of starting a new business, instead of doing it is to protect ourselves from our inherent fear of failure.



We seem to live by this philosophy: You cannot lose a game if you don't play. "You shouldn't go through life with a catcher's mitt on both hands; you need to be able to throw something back." - Maya Angelou.

You cannot think your way to success or greatness. At some point, you need to stop researching and start doing. Imperfect action beats perfect inaction - Harry Truman

-Harsh Bhardwaj

‘कट चुकी है उम्र सारी जिनकी पत्थर तोड़ते,
अब तो उन हाथों में कोहिनूर होना चाहिए...’

- राहत इंदौरी

STUDENT WRITINGS

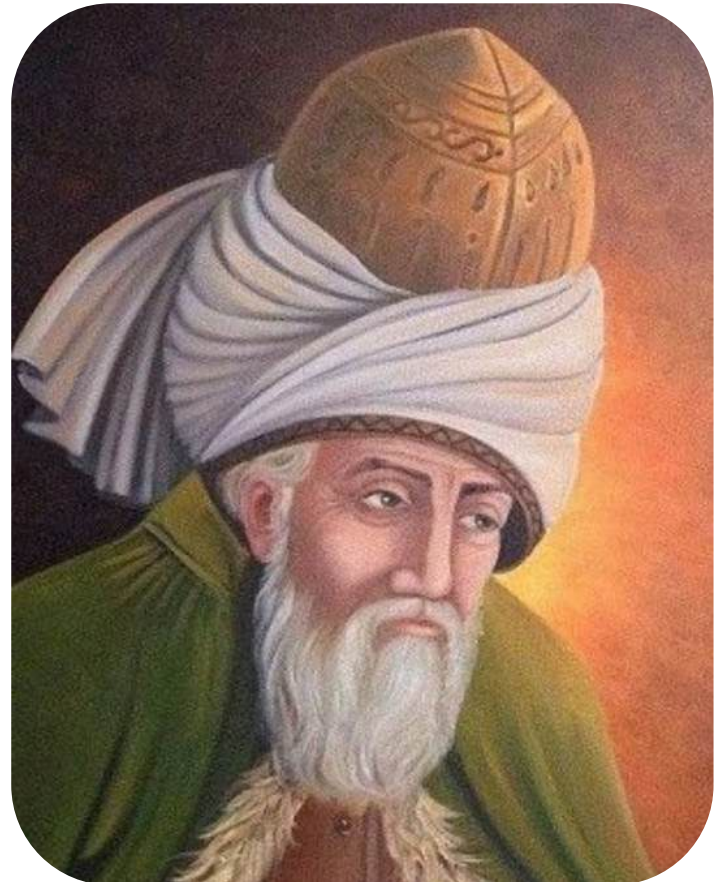
13th-century poet, Hanafi faqih (jurist), Islamic scholar and Sufi mystic

Maulana Jalal al-Din Muhammad Rumi

Rumi was born on September 30, 1207, in Balkh Province, Afghanistan, on the eastern edge of the Persian Empire. Rumi descended from a long line of Islamic jurists, theologians, and mystics, including his father, who was known by followers of Rumi as “Sultan of the Scholars.”

When Rumi was still a young man, his father led their family more than two thousand miles west to avoid the invasion of Genghis Khan’s armies. They settled in present-day Turkey, where Rumi lived and wrote most of his life. As a teenager, Rumi was recognized as a great spirit by the poet and teacher Fariduddin Attar, who gave him a copy of his own *Ilahinama* (The Book of God).

For the last twelve years of his life, beginning in 1262, Rumi dictated a single, six-volume poem to his scribe, Husam Chelebi. The resulting masterwork, the *Masnavi-ye Ma’navi* (Spiritual Verses), consists of sixty-four thousand lines, and is considered Rumi’s most personal work of spiritual teaching.



In his introduction to an English edition of *Spiritual Verses*, translator Alan Williams wrote:

“Rumi is both a poet and a mystic, but he is a teacher first, trying to communicate what he knows to his audience. Like all good teachers, he trusts that ultimately, when the means to go any further fail him and his voice falls silent, his students will have learnt to understand on their own.”

STUDENT WRITINGS

Poetry (Ghazal)

Justjoo

ना दीदार की ख्वाहिश ना मुलाक़ात की जुस्तजू होगी
एक दिन मंज़र यूँ होगा हमें ना तेरी आरजू होगी

शम ना रहेगा जश्न होगा होंगे सब शामिल
हर शह होगी बस एक शख्स ना होगा और वो तू होगी

जब होगा कुछ भी नहीं वीराने में किसी के पास
ज़िंदा रहने के लिए मेरे पास तेरी खुशबू होगी

मिटा दिया है जिस जगह से तेरे होने का हर निशान
तेरा ज़िक्र वहाँ क्यों होगा तेरी बात भी क्यों होगी



तू समझता था तेरे जाने से टूट जाएँगे हम
टूटेगा तो पर तेरा गुरुर अब बात कुछ यूँ होगी

तेरे काम तो दूसरे पैत्रों से ही हो जाते हैं
नमाज़ और कलमा क्या तुझसे वूजू भी क्यों होगी

जन्मदिन पर मेरा message अब नहीं आएगा तुझे
इत्तेफाकन कहीं मिले तो शायद गुफ्तगू होगी

हमें तो अब भी तेरी तक़दीर पर ही तरस आता है
जला कर एक ज़िंदगी जलती तेरी भी तो रुह होगी



- Harsh Bhardwaj

PROGRAM OUTCOMES

PROGRAM EDUCATIONAL OBJECTIVES (PEOs)

- Graduates of the program will be able to have successful professional career.
 - Graduates of the program will be able to develop attitude of learning and become adaptable to dynamic industrial and social environment.
 - Graduates of the program will be able to design and develop mechanical system by using skills and knowledge of core competency along with allied engineering skill.
 - Graduates of the program will be able to undertake interdisciplinary research needed to build a sustainable society.
-
- Conduct investigations of complex problems: Use research-based knowledge and research methods including design of experiments, analysis and interpretation of data, and synthesis of the information to provide valid conclusions.
 - Modern tool usage: Create, select, and apply appropriate techniques, resources, and modern engineering and IT tools including prediction and modeling to complex engineering activities with an understanding of the limitations.
 - The engineer and society: Apply reasoning informed by the contextual knowledge to assess societal, health, safety, legal and cultural issues and the consequent responsibilities relevant to the professional engineering practice.
 - Environment and sustainability: Understand the impact of the professional engineering solutions in societal and environmental contexts, and demonstrate the knowledge of, and need for sustainable development.
 - Ethics: Apply ethical principles and commit to professional ethics and responsibilities and norms of the engineering practice.

PROGRAM OUTCOMES (POs)

Mechanical and Automobile Engineering Graduates will be able to:

- Engineering knowledge: Apply the knowledge of mathematics, science, engineering fundamentals, and an engineering specialization to the solution of complex engineering problems.
- Problem analysis: Identify, formulate, review research literature, and analyze complex engineering problems reaching substantiated conclusions using first principles of mathematics, natural sciences, and engineering sciences.
- Design/development of solutions: Design solutions for complex engineering problems and design system components or processes that meet the specified needs with appropriate consideration for the public health and safety, and the cultural, societal, and environmental considerations.
- Individual and team work: Function effectively as an individual, and as a member or leader in diverse teams, and in multidisciplinary settings.
- Communication: Communicate effectively on complex engineering activities with the engineering community and with society at large, such as, being able to comprehend and write effective reports and design documentation, make effective presentations, and give and receive clear instructions.
- Project management and finance: Demonstrate knowledge and understanding of the engineering and management principles and apply these to one's own work, as a member and leader in a team, to manage projects and in multidisciplinary environments.
- Life-long learning: Recognize the need for, and have the preparation and ability to engage in independent and life-long learning in the broadest context of technological change.

NEWSLETTER COMMITTEE

Faculty Incharge



Dr. Surendra Kumar Chourasiya

Student Editors



Khushi Kumari
ME 2nd Year



Harsh Bhardwaj
ME 2nd Year



Mansi Verma
ME 2nd Year



Darpanam

दर्पणम्



**We welcome your recent news for
inclusion in our next newsletter.
Please email your updates to
rescuebird18@gmail.com**

DISCLAIMER:

'MITS Mechanical Engineering department E-Newsletter' is meant for Private Circulation only intended to bring quarterly updates of the institute's activities related information published in various media like newspapers, and digital media, etc. to the attention of members of research and academic fraternity of India. Sources of all cited information have been acquired from concerned individuals and are duly acknowledged and members are advised to read, refer, research and quote content from the original source only, even if the actual content is reproduced. The information content does not reflect quality judgment, prejudice or bias by MITS Mechanical Engineering department E-Newsletter committee. Selection is based on the relevance of content to members, readability/ brevity/ space constraints/ availability of content.

**Department of Mechanical Engineering
Madhav Institute of Technology and Science
Gwalior 474005
www.mitsgwalior.in**

Published by E-Newsletter Committee
dept. of Mechanical Engg. MITS Gwalior
Design Layout: Harsh Bhardwaj

A Quarterly Newsletter: September 2024